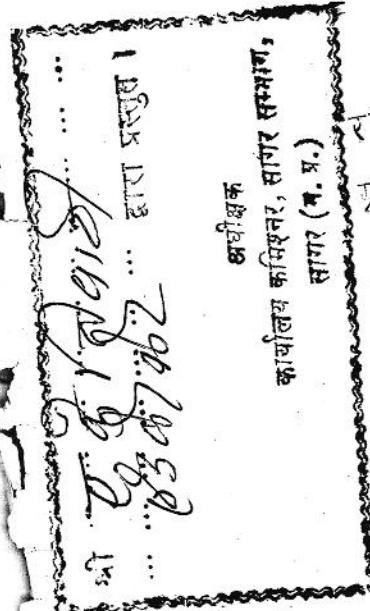




न्यायालय माननीय राजशव मंडल उवालियर अ.प्र. केन्द्र सागर
प्रधानमंत्री प्रीमान अंतर्राष्ट्रीय आमुन सागर ३००८
१८ JAN 2001

R 394 (H) 06

श्रीमति मंकुलता पाटन और लक्ष्मी जैन
निवासी श्रावण लिंगपुर तहसील छुरू जिला सागर
हाल निवासी सागर म.प्र. ।



राज्योदयकर वर्तम हल्का घटार निवासी
श्रावण लिंगपुर तहसील छुरू जिला सागर

प्र.क्र.

॥ १५६ ॥

क्रमांक — आर्योदिका
रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा जारी
दिनांक ३०६ को प्राप्त

कोई
राज्योदयकर — प्र.इयालियर
अनापेक्ष

निवासी अंतर्त धारा ५० म.प्र.भू.रा. संदिग्धा १९५७
प्रस्तुत निवासी न्यायालय श्रीमान अमर केवल
सागर द्वारा प्र.क्र. ५४३/१९११ १९९९-२००० में पारित आदेश प्रियंका
१४-११-२००० के विळ की गई है ।

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य :-

10 अक्टूबर 2006

यह कि, आर्योदिका के भूमिस्थानी हक्क की भीम
कारा नंबर 122/३ जिसका नया नंबर १७३ हो गया है, की भूमिस्थानी
आर्योदिका है और इस पर केवल एक टपरा आर्योदिका का बना
हुआ है इसमें अनापेक्ष नहीं रहता है अन्य कोई मानवा टपरा इस ऐ
मानवेदन के होते हुवे अपने मने हैं स्थल निरीक्षण करके छुली जमीन पर
टपरा बताकर अनापेक्ष के नाम से पट्टा नामायण तौर से कर दिय
गई न ही उसे हुनवार का अपहर ही दिया गया उसकी भीम पर
केवल एक ही टपरा था परंतु तीन और टपरे इसे छुली जमीन पर
बताकर पट्टे चार लोगों को नामायण तौर से वितरित कर दिये
मालूम होता है कि अनुचितानी अधिकारों ने स्थल निरीक्षण भी
किया और मनमाने द्वारा से पट्टे दे दिये इसकी अपील जब अर्यो-

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

(14)

प्रकरण क्रमांक निगरानी 394—दो / 2006

जिला टीकमगढ़

स्थान व दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि. आदि के हस्ताक्षर
08-04-15 सागर कैम्प	<p>आवेदक पक्ष को नियत पेशी दिनांक का भेजा गया नोटिस तामील उपरांत वापिस प्राप्त। आवेदक पक्ष सूचना उपरांत अनुपस्थित। आवेदक पक्ष को तीन बार पुकार लगवाई गई परन्तु उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। बाद पुकार प्रकरण आवेदकपक्ष की अनुपस्थिति में अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</p>  <p>प्रशासकीय सदस्य</p>	